Azadi Ka Amrit Mahotsav

अटल भुजल योजना हरियाणा

ग्राम पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

अटल भूजल योजना के बारे में जानकारी

ATAL BHUJAL YOJANA

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा

THE WORLD BANK

युवा मित्र Yuva Mitra

Shaping Sustainable Development..

प्रतिभागियों का नाम पंजीकरण और की पहचान, कार्यक्रम से अपेक्षा

- प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों का एसपीमयू द्वारा दिये गये प्रारूप में पंजीयन होगा।
- प्रशिक्षण में भाग लेने वाले व्यक्ति को कार्यक्रम की जानकारी का पैम्फलेट, नोटपैड पेन एवं प्रशिक्षण माड्यूल का पत्रक उपलब्ध कराया जायेगा।
- उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को अपने नाम सहित अपना परिचय देना चाहिए कि उन्होंने इस प्रशिक्षण में क्यों भाग लिया है और वे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से क्या अपेक्षा रखते हैं?
- सबके परिचय के बाद उनके गांव में भूजल की स्थिति के बारे में खुली चर्चा होगी, जो लोगों को प्रशिक्षण में भाग लेने और बोलने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

क्षमता निर्माण संस्था - युवा मित्र का परिचय

Adding Smiles, Since 1995

युवा मित्र

मित्रांगन परिसर, घोटी - सिन्नर राजमार्ग, हरसुले शिवर,मु. पो.- लोनारवाड़ी, ताल- सिन्नर, जिला – नासिक।

Email – admin@yuvamitra.org, manishapote@yuvamitra.org

अटल भूजल योजना की पृष्ठभूमि

- भूजल ने खाद्य और कृषि उत्पादन बढ़ाने, सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने और भारत में औद्योगिक विकास को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है
- यह देश के कुल सिंचित क्षेत्र का लगभग 65%, ग्रामीण पेयजल आपूर्ति का लगभग 85% और शहरी पेयजल की 50% जरूरतों को पूरा करने के लिए ताजे पानी का योगदान देता है।
- पिछले तीन दशकों में, मुख्य रूप से सिंचाई के लिए भूजल के उपयोग में तेजी से विस्तार ने इसके कृषि उत्पादन और समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- इसके परिणामस्वरूप भारत दुनिया में सबसे बड़ा भूजल निकालने वाला देश बन गया है।

अटल भूजल योजना उद्देश्य

- इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य "चयनित राज्यों के पानी की कमी वाले क्षेत्रों में भूजल संसाधनों के प्रबंधन में सुधार करना है।" यह विभिन्न चालू/नई केंद्रीय और राज्य योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से समुदाय के नेतृत्व में उचित निवेश/प्रबंधन कार्यों को लागू करके प्राप्त किया जाएगा ।
- अटल भूजल योजना में सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से चुने हुए जल संकटग्रस्त क्षेत्रों में भूजल संसाधन प्रबंधन में सुधार करना है, जिससे पानी की समस्या के निराकरण के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।
- केन्द्रीय और राज्य स्तरीय योजनाओं के साथअभिसरण व समन्वय स्थापित कर योजना का ग्राम स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन एवं प्रबन्धन बड़े पैमाने पर जल उपयोग दक्षता में सुधार फसल पैटर्न में सुधार करना एवं संसाधनों के कुशल एवं न्याय संगत उपयोग को बढ़ावा देना ।
- सहभागी भूजल एवं सामुदायिक स्तर व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना ।

अटल भूजल योजना का परिचय

- अटल भूजल योजना या (अटल जल) 25 दिसंबर 2019 को पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 95 वीं जयंती पर माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई एक भूजल प्रबंधन योजना है।
- इस योजना का उद्देश्य सात में भूजल प्रबंधन में सुधार करना है। भारत के इन चुनिंदा सात राज्यों में हरियाणा उन राज्यों में से एक है जहां अटल भूजल योजना लागू की जा रही है ।
- इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य "चयनित राज्यों के जल-तनाव वाले क्षेत्रों में भूजल संसाधनों के प्रबंधन में सुधार करना" है।
- अटल जल को मुख्य रूप से स्थानीय समुदायों और हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ चल रही विभिन्न योजनाओं के बीच अभिसरण के माध्यम से स्थायी सक्षम भूजल प्रबंधन पर लक्षित किया गया है।
- अटल भूजल योजना (अटल जल) का उद्देश्य समुदाय के नेतृत्व वाले स्थायी भूजल प्रबंधन को प्रदर्शित करना है जिसे बड़े पैमाने पर ले जाया जा सकता है।
- भागीदारी भूजल प्रबंधन (PGWM) के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करने के मुख्य उद्देश्य के साथ योजना को एक पायलट के रूप में तैयार किया गया है।
- इसका उद्देश्य सतत भूजल प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों और क्षमता निर्माण के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन लाना है।
- अटल जल को स्थायी भूजल पर लक्षित किया गया है ।

देश में भूजल कुंए कम होते जा रहे हैं..!
स्थिति चिन्ताजनक है..!!

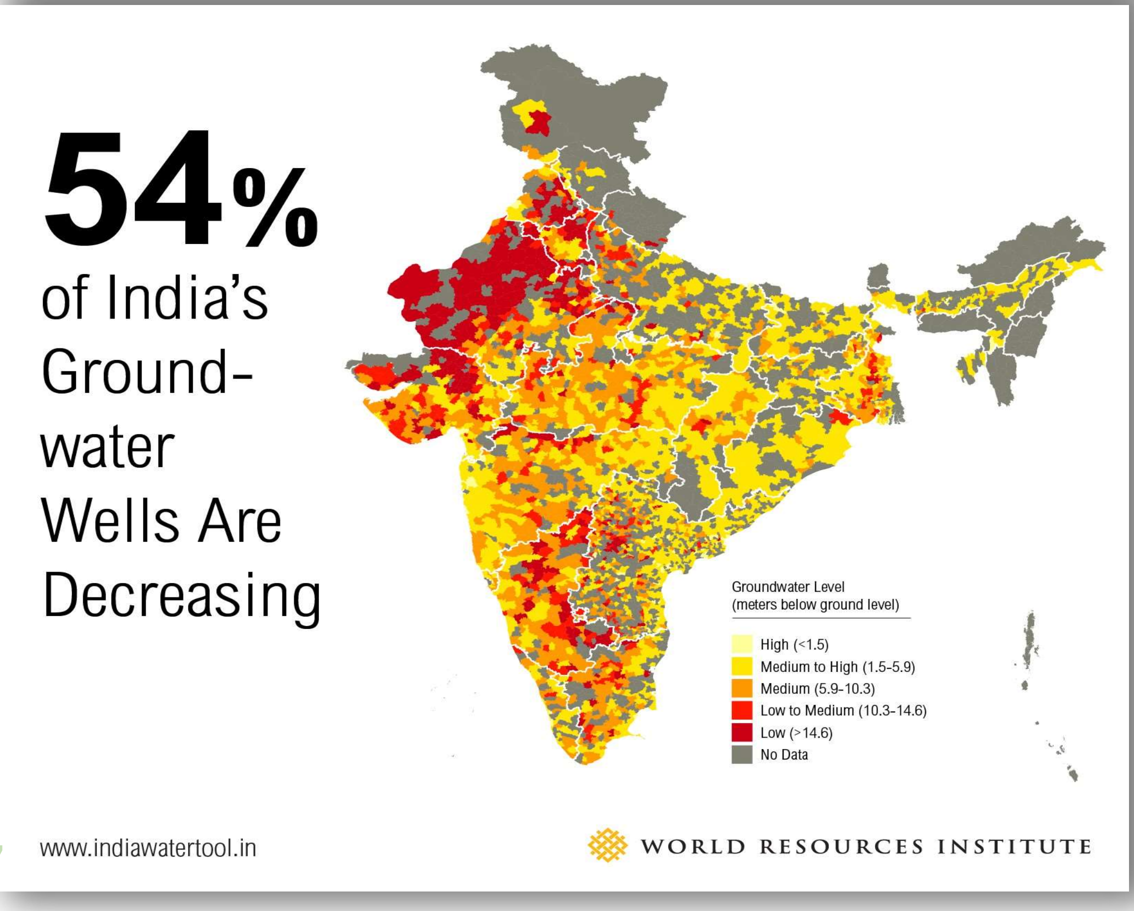

पृथ्वी पर कुल
75% पानी है

97.2 % समुद्र का पानी है

2.15 % जमा हुआ ताजा पानी है

0.6% मीठा पानी उपलब्ध है

उपलब्ध मीठा पानी

1 % वर्षा

जलभृत में 97 प्रतिशत जल है

मानव निर्मित जलाशयों में 1 % से भी कम पानी है

1 % प्राकृतिक झील

नदियों में 1 % से पानी कम है

वैश्विक भूजल उपयोग का लगभग ७०% कृषि के लिए है ...
ATAL BHUJAL YOJANA

हरियाणा राज्य और आपके जिले में भूजल की स्थिति

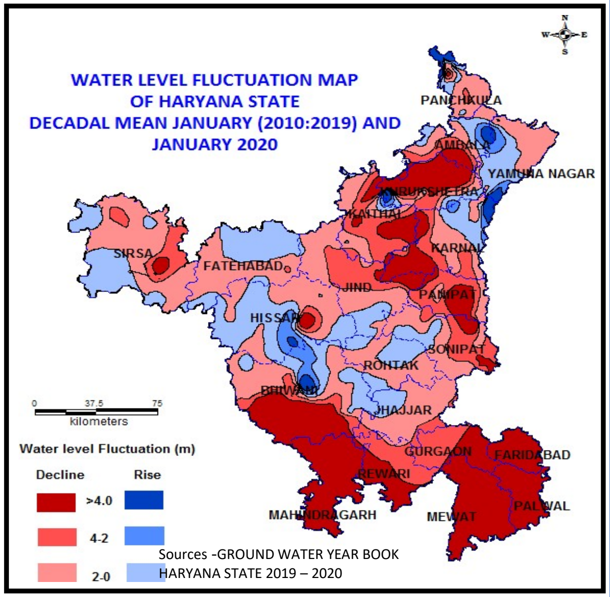

- हरियाणा राज्य में पिछले दशकीय औसत में ये पाया गया है की 66% कुओं के जल स्तर में गिरावट आयी है जो 76% क्षेत्र को कवर करती है।
- 34% क्षेत्र में 40% कुओं से जल स्तर में 0-2m की सीमा में गिरावट आई है।
- 16% क्षेत्र को कवर करने वाले 12% कुओं से जल स्तर में 2-4 मीटर के बीच गिरावट
- 14% कुओं और राज्य के 26% क्षेत्र में जल स्तर में 4 मीटर से अधिक की गिरावट देखी गई है और महेंद्रगढ़ में मुख्य रूप से होती है।

- महेंद्रगढ़ में भूजल की जलस्तर में बड़ी मात्रा में गिरावट देखने को मिलती हैं।
- बारिश से पहले जल स्तर मापा गया था जिसमें 2015 से 2021 तक महेंद्रगढ़ जिले में से महेंद्रगढ़ तहसील कि 16.96, नांगल चौधरी में 0.30, नारनौल में 6.08, कनीना में 4.77, और अटेली में 11.60 मीटर की गिरावट आयी हैं
- जिसमें महेंद्रगढ़, नारनौल और कनीना तहसील के भूजल स्तर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली हैं.
- बारिश के बाद जल स्तर मापा गया था जिसमें 2015 से 2021 तक भूजल स्तर में महेंद्रगढ़ तहसील कि 16.62, नांगल चौधरी में 2.75, नारनौल में 2.01, कनीना में 5.75, और अटेली में 8.79 मीटर की गिरावट आयी हैं
- जिसमें महेंद्रगढ़, अटेली और कनीना तहसील के भूजल स्तर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली हैं.

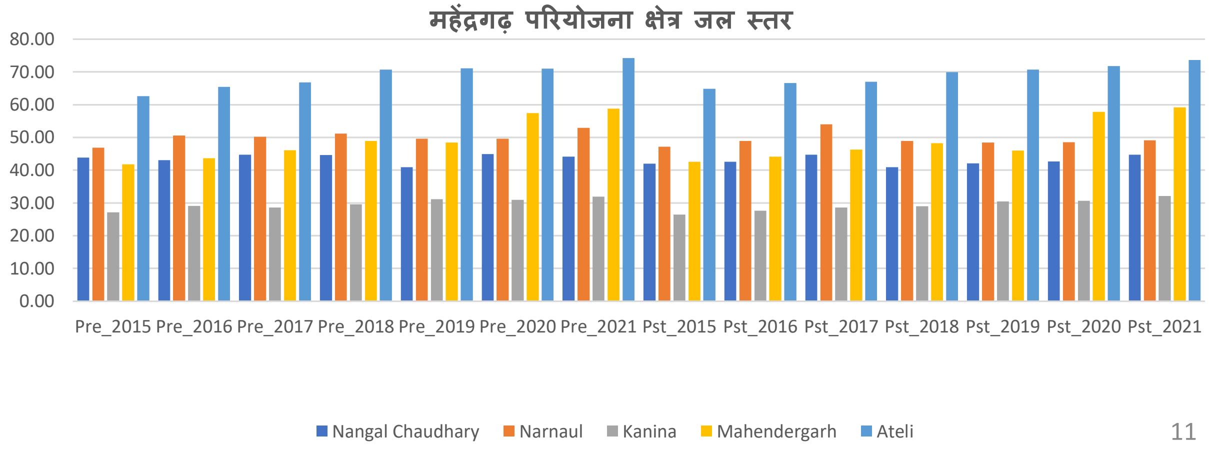

लोगों के माध्यम से उनकेगाँव में पिछले 20 साल और अगले वर्षों में वर्षा की प्रवृत्ति भूजल की कमी और गुणवत्ता का विश्लेषण करना।

उदाहरण के तौर पर

- क्या आपको पता है कि आपके गांव में पिछले 20 साल में कितनी बारिश हुई है और कितना कौन से साल में कितनी हुई है?
- क्या हम जानते हैं हमारे गांव में पिछले 20 सालों में भूजल की स्थिति क्या थी?
- और अगले 20 साल में क्या होगी?
- कम होता हुआ भूजल हमारे ऊपर क्या असर कर रहा है?
- हमें क्या फर्क आया है?
- हम अभी जो पानी पीते हैं उसकी गुणवत्ता क्या है क्या आपको पता है?
- सामने दिए गए चार्ट में जैसे दिखाया गया हैं वैसे लोगों से सवाल करके चार्ट बनाया जाएगा जिसमें से लोगों को बताया जाएगा कि उनके गांव की भूजल की स्थिति क्या से क्या हो रही है और उसके दूरगामी परिणाम क्या हो रहे हैं?

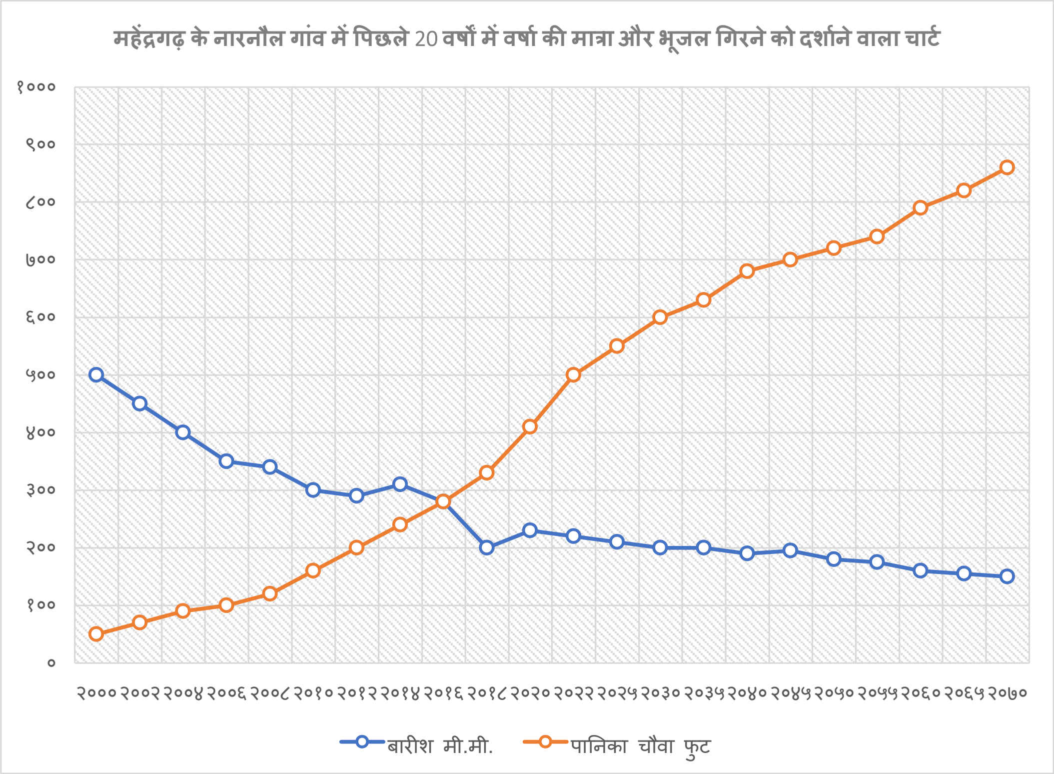

वर्ष 2022 में भूजल का स्तर और गुणवत्ता के बारे में विस्तृत चर्चा

अमीनपुर गांव का भूजल स्तर 75. 6 फीट से कम हुआ है

पानी में खनिज तत्वों की सामान्य आवश्यकता	PH	EC(μs/cm)	TDS(mg/l)	Total Hardness(mg/l)	Calcium(mg/l)	Magnesium(mg/l)	Sodium(mg/l)	Potassium(mg/l)	Carbonate(mg/l)	Bicarbonate(mg/l)	Sulphate(mg/l)	Chloride(mg/l)	Fluoride(mg/l)	Nitrate(mg/l)
	6.5-8.5	750	500	200	75	30	200	40	200	200	200	250	1	45

ग्रामपंचायत	PH	EC(μs/cm)	TDS(mg/l)	Total Hardness(mg/l)	Calcium(mg/l)	Magnesium(mg/l)	Sodium(mg/l)	Potassium(mg/l)	Carbonate(mg/l)	Bicarbonate(mg/l)	Sulphate(mg/l)	Chloride(mg/l)	Fluoride(mg/l)	Nitrate(mg/l)	WQI Status
अमीनपुर	7.79	2100	1260	398	54.4	63.7	288	7.4	0	310	93	220	0.78	8.2	Poor

उक्त का अनुश्रवण करें तो ग्राम अमीनपुर का वर्तमान भूजल स्तर के साथ–साथ जल की गुणवत्ता भी न्यून है जो हमारे स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिहाज से भविष्य के लिय अत्यधिक चिन्ता का विषय है यदि हम वर्तमान में सुधार का प्रयास नही करते तो यह स्थिति भविष्य में और भी अधिक गम्भीर हो सकती है।

चार सूत्री रणनीति

भूजल प्रबंधन के लिए निर्णय समर्थन उपकरण

प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए समुदाय आधारित संस्थानों को मजबूत करना

जल उपयोग दक्षता में सुधार करना और भूजल पुनर्भरण को बढ़ाना

राजकोषीय विकेंद्रीकरण

मुख्य घटक

भूजल डेटा/सूचना और रिपोर्ट का सार्वजनिक प्रकटीकरण

मुख्य घटक
सामुदायिक नेतृत्व वाली जल सुरक्षा योजनाओं की तैयारी

चालू/नई योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से अनुमोदित जल सुरक्षा योजनाओं का सार्वजनिक वित्तपोषण

कुशल जल उपयोग के लिए प्रथाओं को अपनाना

भूजल स्तर में गिरावट की दर में सुधार

भूजल डेटा/सूचना और रिपोर्ट का सार्वजनिक प्रकटीकरण

ATAL BHUJAL YOJANA

वर्षा को मापने के लिए प्रत्येक गांव में रेन गेज स्टेशनों की स्थापना

गांव के कुएं और बोरवेल का जलस्तर लिया जाता है, जिससे पता चलता है कि हमारे गांव में भूजल का स्तर क्या है

प्रत्येक गांव के पानी का pH, EC, TH, Ca, Mg, Na, K, CO3, HCO3,SO4, Cl, F, NO3 का परीक्षण किया जाता है जिससे गांव के पानीकी गुणवत्ता के बारे में पता चल जाता हे

सब जानकारी लेकर अटल भूजल के पोर्टल में भरा जाता है जिससे रिपोर्ट तैयार की जाती है और उसी के आधार पर VWSP एवं जल संरक्षण एवं प्रबंधन की योजना बनाई जाती है।

सामुदायिक नेतृत्व वाली जल सुरक्षा योजना

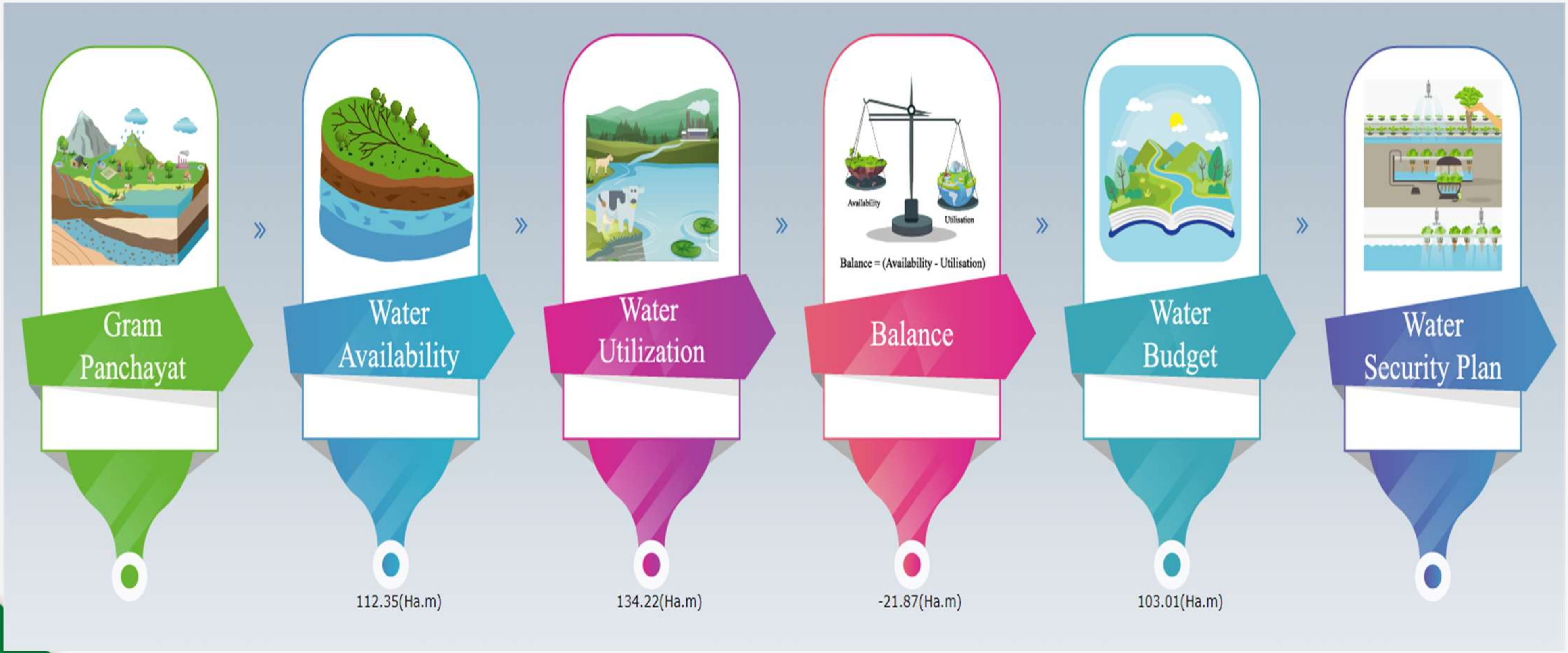

सामुदायिक नेतृत्व वाली जल सुरक्षा योजनाओं की तैयारी

- ग्राम स्तर पर जनभागीदारी सुनिश्चित कर जल स्त्रोतों जैसे कुओं, तालाबों, झीलों, नदी, नालों के आंकड़े एकत्रित करना, जल बजट एवं जल सुरक्षा प्लान तैयार करना है।
- जल सुरक्षा योजना का उद्देश्य अच्छी जल आपूर्ति पद्धति के माध्यम से सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करना है, अर्थात्: (I) स्रोत जल के संदूषण को रोकना; (II) पानी की गुणवत्ता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक सीमा तक मौजूद संदूषण को कम करने या हटाने के लिए पानी का उपचार करना ।
- जल सुरक्षा में सुधार, उदाहरण के लिए जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करके, सतत विकास और गरीबी में कमी लाने का एक महत्वपूर्ण कारक है ।
- जल सुरक्षा को बनाए रखने की समाज की क्षमता को निर्धारित करने वाले प्रमुख कारकों में शामिल हैं: जल विज्ञान पर्यावरण, सामाजिक-आर्थिक वातावरण और भविष्य के पर्यावरण में परिवर्तन (जलवायु परिवर्तन)।
- जल सुरक्षा जोखिमों को विभिन्न स्थानिक पैमानों पर प्रबंधित करने की आवश्यकता है: घर से लेकर समुदाय, शहर, शहर, बेसिन और क्षेत्र तक।
- नीति-निर्माताओं और जल प्रबंधकों को स्थानीय जलवायु परिवर्तनशीलता और चरम घटनाओं (जैसे भारी वर्षा या सूखा) के प्रति लचीलापन बनाने के लिए महीनों, वर्षों या दशकों को देखते हुए अलग-अलग समय-सीमाओं पर भी विचार करना होगा।
- जलवायु परिवर्तन जल जोखिमों के प्रकार और गंभीरता को इस तरह से प्रभावित कर रहा है जो अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग होंगे।
- जलवायु अनुकूलन के लिए रणनीति तैयार करते समय समाज में विभिन्न समूहों की जल सुरक्षा पर प्रभाव पर विचार किया जाना

चल रही/नई योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से अनुमोदित जल सुरक्षा योजनाओं का सार्वजनिक वित्तपोषण

ATAL BHUJAL YOJANA

संभावित अभिसरण योजना - हरियाणा

वित्तीय

- सूक्ष्म सिंचाई लाभ क्षेत्र विकास (MICADA)
- मेरा पानी मेरे विरासत (MPMV)
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार हमी योजना (MGNREGA) (WC/NRM)
- राष्ट्रीय कृषी विकास योजना -भूमिगत पाइपलाइन (RKVY-UGPL)
- ग्रामपंचायत विकास आराखडा(GPDP- हमारी योजना हमारा विकास)
- जल शक्ति अभियान -I&WRD
- तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण

तकनीकी/सामाजिक

- जल जीवन मिशन
- राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना-निगरानी नेटवर्क सुदृढ़ीकरण,
- (डेटा एकीकरण) Data Integration
- जल शक्ति अभियान -JSA
- जलभृत प्रबंधन पर राष्ट्रीय परियोजना जन संपर्क कार्यक्रम (NAQUIM – Public Interaction Programs)
- केंद्रीय भूजल बोर्ड -हरियाणा के भूजल की स्थिति (CGWB-GWSH).
- हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण (HWRA)

कुशल जल उपयोग के लिए प्रथाओं को अपनाना

- जल संरक्षण प्रबंधन : लक्ष्यवर्षा का पानी रोकर सतही जल संगहण और भूजल संवर्धन करना।
- उपलब्ध जल का समुचित वितरण, उपयोग, बचत और प्रबंधन करना ।
- वर्तमान में विद्यमान जल संग्रहण संरचनाओं / स्त्रोतों का मूल्यांकन और इनमें आवष्यक सुधार / त्रुटियां दूर कर इन्हें उपयोगी बनाना ।
- नजदीक के नदी नालों पर नवीन जल संरक्षण व संर्वधन संरचनाओं का निर्माण (जैसे स्टाप डेम, नाला बंधान, छोटे बांध, बोरी बंधन इत्यादि को प्राथमिकता)भूजल पर आधारित पेयजल स्त्रोतों के कैचमेन्ट एरिया में भूजल पुनः भरण।
- जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु फार्म पॉण्ड, मेढ बंधान, कुइया कुण्डी, कुआं रिचार्ज, का निर्माण करना ।
- मकान की छत, आगन एवं बाड़े से निकलकर बहने के बरसाती पानी के मार्गो पर सोक पिट बनाना ।

कुशल जल उपयोग के लिए प्रथाओं को अपनाना

टपकन सिंचाई

फव्वारा सिंचाई

भूमिगत पाइपलाइन

मल्चिंग पेपर

बिना जुताई की खेती

घरेलू पानी की बचत

पानी की मांग को कम करने के लिए किए जाने वाले उपाय

स्प्रिंकलर

ड्रिप सिंचाई

अंडरग्राउंड पाइपलाइन

Zero tillage की पद्धति

पानी की कमी को पूरा करने के लिए किए जाने वाले उपाय

चेक डैम

जोहड़ / तालाब की सफाई

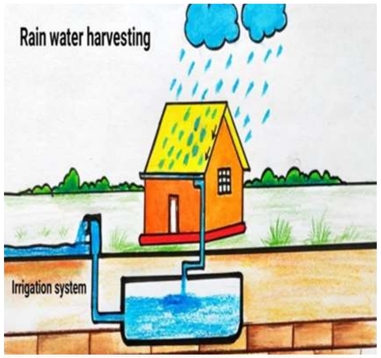

रेनवाटर हार्वेस्टिंग

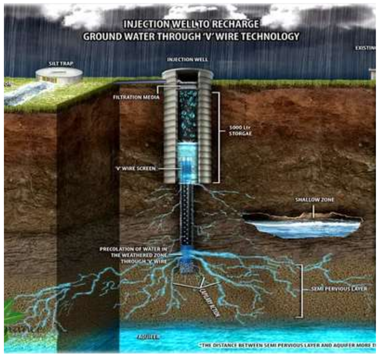

इंजेक्शन वेल

रिचार्ज शाफ्ट

सोख्ता गड्ढा

खेत तालाब

सामुदायिक तालाब

जल कुशल हस्तक्षेप और शासकीय योजनाएं

सुस्म सिचाई –छिडकाव

- MICADA
- PMKSY
- MPMV

सुस्म सिचाई –टपक

- MICADA
- PMKSY
- MPMV

यू जी पी एल के माध्यम से सिचाई

- RKVY

फसल विधिकरण

- MPMV

पानी बचाने के अन्य उपाय

- MPMV
- (DSR,ZT.BBF, RBP)

MICADA : सूक्ष्म सिंचाई और सिचाई क्षेत्र विकास प्राधिकरण

PMKSY : प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

MPMV : मेरा पानी मेरी विरासत

RKVY : राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

सरकार द्वारा लिखित विभागों के माध्यम से संचालित योजनाए एवं अनुदान

योजना	क्षेत्र	सेक्टर	संचालित विभाग	विभागीय अनुदान (% / रू0 में)	योजना के तहत प्रोत्साहन (%/ रू0 में)
मेरा पानी मेरी विरासत MPMV	फसल विविधिकरण, DSR	राज्य सरकार	कृषि	7000 4000	-
मिकाडा MICADA	टपका, फव्वारा विधि से सिंचाई, फार्म पौण्ड	राज्य सरकार		85	15
प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना PMKSY	बागवानी व कृषि बीज	राज्य सरकार	उद्यान	15000	-
सिचाई एवं जल संशाधन विभाग	बोर वेल (इन्जेक्शन वेल)	राज्य सरकार	सिचाई एवं जल संशाधन विभाग	100	-
मनरेगा MGNREGA	तालाब, चालखाल, चैकडैम, रिचार्ज पिट/ सोखता गडढा	केन्द्र सरकार/राज्य सरकार	ग्राम्य विकास विभाग	60/40	-

भूजल प्रबन्धन हेतु चलाई जा रही अनुदान योजनाऐं:

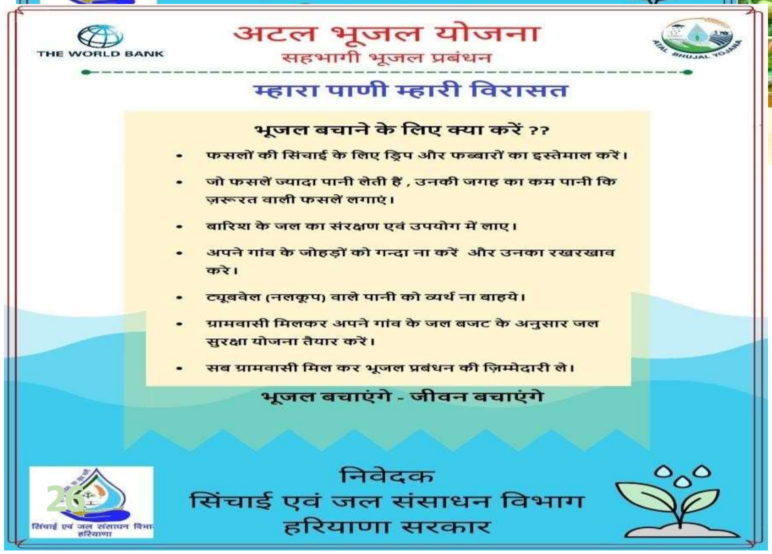

भूजल प्रबन्धन हेतु चलाई जा रही अनुदान योजनाऐः

योजना कि संस्थागत व्यवस्था/ भागीदारी संस्थाएं

ATAL BHUJAL YOJANA

राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई	भारत सरकार/ राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (NPMU)		
राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई	सिंचाई और जल संसाधन विभाग (I&WR Dept)	तकनीकी सहायता एजेंसी (TSA) (PSI)	
जिला कार्यक्रम प्रबंधनइकाई	जिला परियोजना निगरानी इकाई (DPMU)	जिला कार्यान्वयन भागीदार (DIP)	क्षमता निर्माण संस्था
ग्राम पंचायत	ग्राम जल स्वछता समिति – समुदाय (PGWM/ VWSC)	सामुदायिक संसाधन व्यक्ति,CRPs/FLWs	

भूजल प्रबंधन में किसानों की भूमिका

जल के बहुआयामी उपयोग/समेकित कृषि प्रणाली अपनाकर भूजल संरक्षण

- खारे व मीठे जल का संयुक्त उपयोग करके जल संरक्षण व जल उत्पादकता में वृद्धि
- नहर व भूजल का संयुक्त उपयोग करके जल उत्पादकता में वृद्धि।
- जल संरक्षण के लिए उचित सिंचाई विधि का चयन
- जल संरक्षण के लिए मल्चिंग या पलवार का उपयोग
- भूजल का उचित प्रबंधन करके
- पानी की उपलब्धता के अनुसार फसल योजना तैयार करना
- फसलों एवं किस्मों का चुनाव:- पानी की कमी वाले क्षेत्रों में सूखा सहने वाली, कम अवधि में पकने वाली फसलों का चयन किया जाना चाहिए।
- फसल विशेष के चयन के बाद उनकी ऐसी किस्मों का चुनाव करें जो कम समय में पककर तैयार हो जाती हों तथा अधिक उपज भी देती हों।

भूजल प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका

- महिलाएँ जल की प्रमुख उपयोगकर्ता होती हैं। वे खाना पकाने, धोने, परिवार की स्वच्छता और सफाई के लिये जल का प्रयोग करती हैं।
- जल प्रबंधन में उनकी अहम भूमिका होती है। दुनिया भर में तेजी से हो रहे सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक परिवर्तनों के कारण कई प्रकार की चुनौतियाँ एवं समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे में यह अनिवार्य हो गया है कि जल प्रबंधन तथा सिंचाई की सुविधाओं समेत अर्थव्यवस्था एवं समाज के सभी क्षेत्रों से जुड़ी नीतियाँ बनाने में लैंगिक दृष्टिकोण को ठीक से समाहित किया जाए।
- घर-परिवार में तथा सिंचित अथवा वर्षा-सिंचित फसलों की किसान के रूप में पानी इकट्ठा करने, इस्तेमाल करने और उसके प्रबंधन में उनकी महत्त्वपूर्ण सहभागिता के कारण महिलाएँ जल संसाधनों की कड़ी हैं
- महिलाओं के पास जल-संसाधनों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता, सीमा एवं भंडारण के उचित तरीकों समेत पीढ़ियों से मिला ज्ञान है। साथ ही वे जल संसाधन विकास एवं सिंचाई की नीतियों तथा कार्यक्रमों को पूरा करने की कुंजी भी हैं।
- भूमि तथा सिंचाई के जल को प्रयोग एवं नियंत्रित करने का महिलाओं का अधिकार सुनिश्चित करना सबसे पहली आवश्यकता है। अध्ययनों से महिलाओं के लिये भूमि एवं सिंचाई के स्वतंत्र अधिकारों का भूमि एवं श्रम की अधिक उत्पादकता से सीधा सम्बन्ध पता चलता है।

ग्राम जल और स्वच्छता समिति की योजना में भूमिका

- ग्राम पंचायतों को ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) के माध्यम से समुदायों को संगठित करना
- भूजल प्रबंधन के मुद्दे पर समाज को संवेदनशील बनाना
- वार्षिक जल बजट का आयोजन करना
- भूजल प्रबंधन के लिए ग्राम स्तर की गतिविधियों की पहचान करना
- डीआईपी के सहयोग से ग्राम जल सुरक्षा योजना तैयार करना
- ग्राम स्तर पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी एवं समन्वय स्थापित करना
- ग्राम स्तर पर भूजल की जानकारी एकत्रित कर उपलब्ध कराना
- ग्राम जल सुरक्षा में प्रस्तावित गतिविधियों के कार्यान्वयन में भूमिका निभाना

ग्राम पंचायत की भूमिका

- अटल भूजल योजना के क्रियान्वयन के लिये ग्राम पंचायत सबसे अंतिम किंतु अहम स्तंभ है।
- ग्राम पंचायतें पार्टनर गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से स्थानीय समुदायों को भूजल संबंधी समस्याओं पर जागरूक करेंगीं
- सभी समितियों और गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेंगी, ग्राम सभा आयोजित करेंगी
- अटल जल योजना के लिये अलग कैशबुक और अकाउंट रखेंगी और साथ ही नागरिकों के फीडबैक और समस्याओं को दर्ज करेंगी।
- जल प्रबंधन समितियां या ग्रामीण जल और स्वच्छता समितियां ग्राम पंचायतों को जल सुरक्षा योजनाओं के बनाने और जल बजटिंग पर सहयोग करेंगी,
- पारंपरिक ज्ञान को योजनाओं में लाने का प्रयास करेंगी, ब्लाक और जिला स्तर पर नियमित सहायता के लिये समन्वय स्थापित करेंगी और कार्यक्रम में क्रियान्वित किये जाने वाले मांग और आपूर्त पक्ष को पहचानने में सहायता करेंगी। ग्राम पंचायतों के वोलंटियर्स भूजल जानकार और भूजल प्रचारकों को भूजल और वर्षा संबंधी बेस लाइन डाटा इकट्ठा करने के लिये कहा जाएगा जिसके लिये पहले से तैयार किया गया एक फॉर्मेट होगा। ये वोलंटियर डीआईपी और कम्युनिटी मोबिलाइजेशन में लगी दूसरी सहायक एजेंसियों को भी मदद करेंगे।

परियोजना लाभार्थि

अटल जल के प्राप्तकर्ता अर्थव्यवस्था, व्यवसाय और सामाजिक व्यवस्था हैं जो समृद्धि और कल्याण के लिए भूजल संसाधनों पर निर्भर हैं। भूजल स्तर में कमी से कृषि, घरेलू और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए पानी की उपलब्धता में सुधार होने की संभावना है, जिससे सामाजिक लाभ होंगे। विशेष रूप से, योजना का निम्नलिखित कारकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

- महिलाएं, छोटे किसान और खेतिहर मजदूर
- केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियां भूजल प्रबंधन के लिए जिम्मेदार हैं
- बाढ़ और सूखे से प्रभावित आबादी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोग
- पर्यावरण और कृषि मंत्रालय; अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थान; स्वैच्छिक संगठन; नागरिक समाज संगठनों; छात्र और शोधकर्ता; और निजी क्षेत्र

अपेक्षित फायदे

लक्षित क्षेत्रों में भूजल स्थिरता में सुधार

अटल भूजल योजना के तहत हस्तक्षेप के लिए स्रोत स्थिरता

किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य में योगदान

विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यवहार परिवर्तन

THE WORLD BANK

अटल भूजल योजना

सहभागी भूजल प्रबंधन

ATAL BHUJAL YOJANA

म्हारा पाणी म्हारी विरासत

भूजल प्रबंधन में VWSC की भूमिका

- भूजल प्रबंधन के मुद्दों पर समुदाय को जागरूक और संगठित करना
- वार्षिक जल बजट अभ्यास आयोजित करना
- भूजल प्रबंधन के लिए ग्राम स्तरीय गतिविधियों को चिंहित करना
- DIPs के साथ मिलकर गांव की जल सुरक्षा योजना तैयार करना
- ग्राम स्तरीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का समन्वय करना
- ग्राम स्तर पर जल संबंधी जानकारी एकत्र करना और उपलब्ध कराना
- ग्राम जल सुरक्षा योजना में प्रस्तावित गतिविधियों के क्रियान्वयन में समन्वय

आज भूजल बचाएंगे - आने वाला कल बचाएंगे

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा

निवेदक
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
हरियाणा सरकार

THE WORLD BANK

अटल भूजल योजना

सहभागी भूजल प्रबंधन

ATAL BHUJAL YOJANA

म्हारा पाणी म्हारी विरासत

ग्राम स्तर पर कैसे काम करेगी अटल भुजल योजना

- VWSC और DIP मिलकर भूजल संरक्षण को लेकर जागरुकता पैदा करेंगे
- भूजल प्रबंधन के बारे में ग्राम स्तर पर विभिन्न हितधारकों को प्रशिक्षित किया जाएगा
- गांव में जल की स्थिति को समझने के लिए विभिन्न बैठकें आयोजित की जाएंगी
- ग्रामीणों के परामर्श से गांव की जल सुरक्षा योजना तैयार की जाएगी
- ग्राम सभा की मंजूरी के बाद ही गांव की जल सुरक्षा योजना मान्य होगी
- विभिन्न सरकारी विभाग गांव की जल सुरक्षा योजना में बताए गए कार्यों लागू करेंगे
- गांव की जल सुरक्षा योजना को हर साल संशोधित किया जाएगा
- गांव की जल सुरक्षा योजना में ग्राम सभा का निर्णय सर्वोपरि होगा और सभी संबंधित प्राधिकारियों पर मान्य होगा

आज भूजल बचाएंगे - आने वाला कल बचाएंगे

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा

निवेदक
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
हरियाणा सरकार

THE WORLD BANK

अटल भूजल योजना

सहभागी भूजल प्रबंधन

ATAL BHUJAL YOJANA

म्हारा पाणी म्हारी विरासत

शपथ पत्र

हम सभी बच्चे ये शपथ लेते है कि

हमारे गांव में भूजल को बचाने के लिए

हम सब मिलकर पानी का सदुपयोग करेंगे

पानी की एक बूंद को भी बर्बाद नहीं करेंगे

पानी का नल कभी भी खुला नहीं छोड़ेंगे

बारिश के पानी को बचाएंगे

हर साल नए पेड़ लगाएंगे और उनकी रखवाली करेंगे

गांव के जोहड़ को गन्दा नहीं करेंगे

हम अपने साथ साथ

हमारे परिवार और दोस्तों को भी भूजल बचाने के लिए जागरूक करेंगे

आज भूजल बचाएंगे - आने वाला कल बचाएंगे

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा

निवेदक
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
हरियाणा सरकार

जल मापक उपकरण

रेन गेज—वर्षा मापक यंत्र

फ्लो मीटर—पाईप या नाली में माध्यम से चलने वाली गैस, वाष्प या तरल की मात्रा को इंगित करने,

पीजो मीटर—भूमिगत जल के दबाब को मापने हेतु

वाटर टेस्टिंग किट—जल गुणवत्ता जांचने हेतु

वाटर लेवल इंडिकेटर—पानी की गहराई नापने हेतु

धन्यवाद....

ATAL BHUJAL YOJANA

युवा मित्र

Yuva Mitra

Shaping Sustainable Development..